राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक खबरें

जनता की समस्या,हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI NO:- MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ०८ अंक : १९ मुंबई, शुक्रवार, ११ जनवरी २०१९ से १७ जनवरी २०१९ पृष्ठ : ४ मूल्य : २/- रुपये

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार,(०७४९८५३५२८६आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

शराब पीकर वारदात को अंजाम देने की बढ़ रही है प्रवृत्ति

संवाददाता

मुंबई: नशे की लत लोगों को हत्यारा बना रही है। पिछले ६ महीने में ऐसे तमाम मामले सामने आए, जिनमें या तो शराब के लिए हत्याएं की गईं या शराब पीकर। हालांकि इनमें से ज्यादातर आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के थे। पाया गया कि शराब पीकर वे लोग जघन्य वारदात को अंजाम देने से भी पीछे नहीं हटते हैं। ताजा घटना मंगलवार की है, जब एक आरोपी युवक ने शराब के लिए पैसे मांगे और नहीं मिलने पर नाराज होकर उसने एक युवक की हत्या कर दी।

पंतनगर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ संदीप घाडगे की हत्या करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, पंतनगर के रमाबाई कॉलोनी ट्रांजिट कैंप में संदीप रहता था। मंगलवार को खाना खाने के बाद वह अपने घर के बाहर टहल रहा था। उस समय एक युवक वहां

हत्यारा बना रही है नशे की आदत

आया और संदीप से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। संदीप ने जब पैसा देने से मना किया, तो युवक नाराज हो

शराबियों की कारस्तानी

गया और चाकू से संदीप पर हमला कर मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने बुरी तरह से जख्मी संदीप को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

मानखुर्द पुलिस

मानखुर्द के पीएमजीपी कॉलोनी स्थित साई कृपा एसआरए में रहने वाले बकरुद्दीन खान (४६) ने अपने दोस्त की मामूली बातों के चलते शराब के नशे में पीट-पीटकर हत्या कर दी।

५ जुलाई, २०१८ माहिम पुलिस

२२ साल के इमरान सैयद पर आरोप है कि उसने १८ साल के इरफान की शराब के नशे में गला दबाकर हत्या कर दी। दोनों सगे भाई थे।

५ अक्टूबर, २०१८

एन.एम.जोशी मार्ग पुलिस

खाने के बिल का पैसे मांगने को लेकर हुए विवाद में शैलेश गुप्ता नामक ग्राहक ने होटल के वेटर की जमकर पिटाई कर दी। इससे उसकी मौत हो गई। शैलेश पर अत्यधिक मात्रा में शराब पीने की वजह से खुद पर नियंत्रण नहीं रखने का आरोप है।

३१ अक्टूबर, २०१८

भांडुप पुलिस

भांडुप (पश्चिम) स्थित लेक रोड पर शराब पीकर दो व्यक्तियों ने मिलिंद अवतार (२७) की दुकान के पास हंगामा किया।

२२ दिसंबर, २०१८

जुहू पुलिस

नेहरू नगर झोपड़पट्टी स्थित अपने घर के बाहर बैठे मणि देवेंद्र (२५) से कुछ लोगों ने जबरन शराब पीने के लिए बोला, जिसका उसने विरोध किया। नाराज आरोपियों ने शराब की बोतलों से मणि पर जानलेवा हमला कर दिया।

नवी मुंबई में नए निर्माणों को पानी कनेक्शन नहीं

नवी मुंबई, पनवेल मनपा क्षेत्र में अभी से ही पीने के पानी की कमी होने लगी है। इसके चलते करीब एक पखवाड़े से पनवेल शहर में एक दिन के अंतर से जलापूर्ति की जा रही है। सीमित जल भंडार और बढ़ते जल संकट से पनवेल मनपा प्रशासन ने जलापूर्ति सामान्य होने तक शहर में नए निर्माणों को नया पानी कनेक्शन देने पर रोक लगा दी है। जलापूर्ति में आ रही कमी के चलते मनपा महासभा में भी हंगामा हो रहा है। विपक्षी नगरसेवकों ने पनवेल मनपा प्रशासन से मांग की है कि वह जल्द से जल्द इस समस्या को दूर करे और आम जनता को पर्याप्त जलापूर्ति बहाल करे। बीते साल भी मानसून के समाप्त होने के दो-तीन महीने बाद से ही पनवेल में पीने के पानी की समस्या आ खड़ी हुई थी। इस साल भी लगभग यही स्थिति आ गई है। हाल ही में देहरंग जलाशय के जल निकासी वाली पाइपलाइन के मुहाने पर रिसाव शुरू हो गया था। इसके चलते भी करीब २ लाख की आबादी वाले पुराने पनवेल शहर की जलापूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो गई थी। यह समस्या अभी भी जारी है। मात्र २७ महीने पहले स्थापित पनवेल मनपा क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्या शुरू से ही बनी हुई है। आपूर्ति से अधिक मांग होने के चलते मनपा प्रशासन को जलापूर्ति में लगातार कटौती करनी पड़ रही है। इस समस्या के समाधान के लिए पनवेल मनपा प्रशासन लगा हुआ है। पनवेल के लिए पहले ही ४०८ करोड़ रुपये की लागत वाली अमृत योजना मंजूर की जा चुकी है। यह योजना केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से पूरी की जा रही है। हालांकि इस योजना के पूरा होने में तीन साल लगने वाले हैं। तब तक पनवेल में पीने के पानी की कमी बनी रहने वाली है। इस कमी को दूर करने के लिए मनपा प्रशासन को पूरे मनपा क्षेत्र में संतुलित जलापूर्ति करना होगा। मनपा सदन में विरोधी दल नेता प्रीतम म्हात्रे व अन्य विपक्षी नगरसेवकों ने मनपा को कई सुझाव दिया है। इनमें प्रमुख रूप से पीने के पानी की हो रही चोरी पर रोक लगाने और मनपा क्षेत्र में निजी बोरवेल पर पाबंदी लगाते हुए इन बोरवेल से आम जनता को जलापूर्ति शुरू करने की मांग शामिल है। इसके अलावा मनपा क्षेत्र में अवैध नल कनेक्शनों को ढूंढकर उसे बंद करने, नए कनेक्शनों पर रोक लगाने, जल रिसाव रोकने, पानी चोरों को पकड़कर दंडित करने, आम जनता में जल बचत का संदेश देने, बाग-बगीचों को हर-भरा रखने के लिए दूषित जल को स्वच्छ कर उसका उपयोग करने, पीने के पानी का दुरुपयोग को सख्ती से रोकने जैसे कई अन्य उपाय शामिल हैं।

केंद्र सरकार की अमृत योजना के ३ साल में पूरा होते ही पनवेल मनपा की जलापूर्ति योजना पटरी पर आ जाएगी। इस अमृत योजना पर ४०८ करोड़ रुपये खच होने वाले हैं। इसकी मंजूरी पहले से ही मिल गई है। इस योजना के तहत पनवेल मनपा क्षेत्र में पानी की ४० टंकियों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा १६५ किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन भी शहर भर में बिछाई जाएगी। इस योजना के मई २०२१ तक पूरा होने की उम्मीद है।

संपादकीय...

संकल्प का सच

नए साल की बात आते ही हमें सबसे पहले वे सारे उत्सव याद आते हैं, जो नए साल के साथ जुड़े होते हैं। इसके बाद याद आते हैं वे संकल्प, जो हम अक्सर नए साल की शुरुआत में और कई बार तो उसकी शुरुआत से पहले ही ले लेते हैं। वैसे नए साल में यकीन करते हों या न करते हों, और किसी और कैलेंडर के नए साल को मानते हों, यह अवसर जिंदगी के उन मनोवैज्ञानिक पड़ावों में से एक होता है, जब हमें लगता है कि अब हम एक नई जिंदगी शुरू कर सकते हैं या हमें शुरू करनी चाहिए। ऐसा ही एक पड़ाव तब होता है, जब स्कूली दिनों में हम एक नई कक्षा में पहुंचते हैं या फिर तब, जब हम नए घर में गृह प्रवेश करते हैं। नए साल के संकल्पों की दिक्कत यह होती है कि ज्यादातर फरवरी आते-आते हमें यह एहसास हो जाता है कि जिस नई जिंदगी के लिए दांव लगाया था, वह तो ठीक से शुरू हुई ही नहीं। या अगर हुई भी, तो कुछ समय बाद ही पुराने ढर्रे पर लौट आई। इसके बाद हम अपनी संकल्प शक्ति को कोसते हुए अगले साल का इंतजार करने लगते हैं। निश्चित रूप से कुछ पूरे भी होते होंगे, लेकिन आम धारणा यही है कि नए साल के ज्यादातर संकल्प या तो अधूरे रह जाते हैं या बीच राह में ही भटक जाते हैं। हमारे संकल्प अधूरे क्यों रह जाते हैं, इसे लेकर मनोवैज्ञानिकों ने काफी सिर खपाया है और तमाम शोध भी किए हैं।

एक धारणा यह है कि हमारे ज्यादातर संकल्प स्पष्ट नहीं होते। हम एक मोटा-मोटा सा लक्ष्य तय कर लेते हैं, जैसे इस साल मैं वजन घटाऊंगा या फिर सिगरेट पीना छोड़ दूंगा। इसमें संकल्प कम होता है और सदिच्छा ज्यादा। कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि संकल्प स्पष्ट होना चाहिए और उसे छोटे-छोटे ऐसे लक्ष्यों में बंटा होना चाहिए, जिन्हें आसानी से हासिल किया जा सके। जैसे एक महीने तक में हर रोज दो किलोमीटर दौड़ लगाऊंगा और फिर अगले महीन ढाई और उससे अगले महीने तीन किलोमीटर पर पहुंच जाऊंगा। हालांकि बहुत से लोगों ने यह भी करके देख लिया, ऐसे संकल्प भी मंजिल से पहले ही ढेर हो जाते हैं। तो क्या किया जाए? कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि हमारा मन और हमारा दिमाग हमारी समझदारी के हिसाब से नहीं चलता और वह अपनी पुरानी आदतों की ओर लौट जाता है। इसलिए अच्छा यही है कि हम अपने दिमाग को बहकाने और फुसलाने का खेल खेलें। कंप्यूटर की भाषा में कहें, तो दिमाग को हैक करें। द पॉवर ऑफ हैबिट के लेखक चार्ल्स धुइग ने इसका एक दिलचस्प तरीका बताया है। यह तरीका है, मन को ललचाने और ईनाम देने का। जैसे, आप सोचें कि जिस दिन दो किलोमीटर दौड़ लगाई, एक गुलाब जामुन खाऊंगा या पूरे दिन सिगरेट नहीं पी, तो शाम को पिज्जा खाऊंगा। फिर अगर आपने सिगरेट पी भी ली, तो शाम को मन में पिज्जा न खा पाने का पछतावा रह जाएगा, क्योंकि मन बुद्धिमानी भरे लंबे लक्ष्य से ज्यादा तत्काल लालच को पहचानता है। बेशक यह तरीका वैसा ही है, जैसा बच्चों को बहलाने और उनमें नई आदत डालने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सच यह है कि हमारा दिल भी बच्चा ही है, हम उसे सूखी समझदारी से नहीं बदल सकते। इसके लिए बचपन वाला फॉर्मूला ही ज्यादा अच्छा है। वैसे यह ऐसा तरीका है, जिसके लिए आपको नए साल की भी जरूरत नहीं है। इसे आप कभी भी, कहीं भी शुरू कर सकते हैं।

नकली सोना देकर ठगी करने वाले छह भारतीय नेपाल में गिरफ्तार

नई दिल्ली: नेपाल के भोजपुर इलाके से छह भारतीय नागरिकों को स्थानीय गांववासियों को उनके स्वर्ण आभूषणों को कथित तौर पर नया करने का लालच देकर उन्हें सोने का पानी चढ़े गहनों से बदल देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। हिमालयन टाइम्स समाचारपत्र की खबर के मुताबिक सभी आरोपी बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रहने वाले हैं।जिन्होंने स्थानीय लोगों को लालच देकर उनके गहनों को नये सिरे से गढ़ने और सोने के आभूषणों को चमका देने का वादा कर उसे नकली सोने से बदल दिया। अखबार ने भोजपुर जिला पुलिस कार्यालय के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि आरोपियों के पास एक्वा रीजिया था जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड का रासायनिक मिश्रण है जिसका इस्तेमाल असली सोने को पिघलाने के लिए किया गया। पुलिस ने बताया कि जिले से फरार होने की तैयारी कर रहे आरोपियों को पकड़ लिया गया। उन्हें हिरासत में लेकर जांच शुरु कर दी गई है।

जन्म लेनी वाली बच्ची के हाथ-पैर में थी ६ उंगलिया

शुभ और अशुभ के नाम पर इंसान कभी कभी ऐसी हरकत कर बैठता है जो लोगों को डरा के रख देती है. लेकिन उसके बाद भी आज समाज में ऐसी घटनाएं बदस्तूर जारी है. इस घटना को एक कलयुगी मां ने अंजाम दिया. एक ऐसा ही चौकानें वाली घटना मध्यप्रदेश से सामने आई है. जहां एक महिला ने अपने एक दिन की बच्ची के उंगलियों को काट दिया. जिसके कारण एक दिन की बच्ची की मौत हो गई. मामला एमपी के खंडवा का है. जहां के सुंदरदेव नाम गांव में एक मां की आंखो पर अंधविश्वास का ऐसा पर्दा चढ़ा की उसने बड़ी ही बेहरमी से अपनी एक दिन बच्ची को मार डाला.

उत्तर प्रदेश-दिल्ली को दहलाने की नापाक साजिश

इंजीनियर निकला मास्टरमाइंड- गहनों को बेच के जमा किए थे पैसे

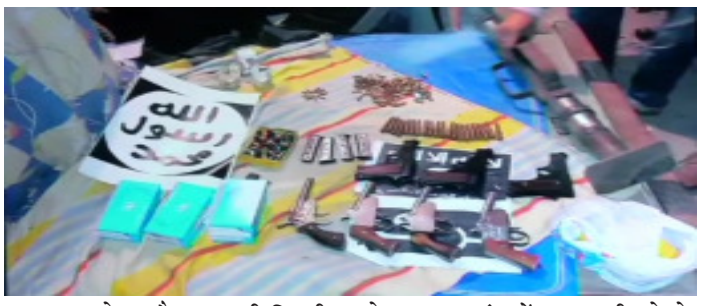

उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने बुधवार को आतंकी संगठन ISIS के मॉड्यूल के नापाक मंसूबों पर पानी फेरते हुए उनके संगठन का पर्दाफाश किया. इसके साथ अब कई बड़े खुलासे भी होने लगे हैं और पता चल रहा है कि कैसे आतंकी भारत को दहलाने की साजिश रच रहे थे. आतंकी संगठन आईएसआईएस के मॉड्यूल 'हरकत-उल-हर्ब-ए-इस्लाम' के एक सरगना सहित १० लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया.सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई इस कर्रवाई में उत्तर प्रदेश के अमरोहा से मस्जिद के एक मौलवी और थर्ड ईयर सिविल इंजीनियर को गिरफ्तार किया है. सूत्रों के माने इन्ही दोनों को मास्टरमांइड माना जा रहा है. माना जा रहा है कि बम बनाने से लेकर आर्थिक तौर पर मजबूती की जिम्मेदारी २९ साल इंजीनियर मुफ्ती मोहम्मद सुहैल ने पैसा इकट्ठा करने के घर में रखा गोल्ड भी बेंच दिया था. इस दौरान उसके संपर्क में विदेश में बैठे किसी हैंडलर से संपर्क में थे. इस दौरान सुहैल उर्फ हजरत और उसके साथियों ने फंड जुटा लिया था और बम तैयार करने के लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की खरीद की है.

खदान में खुदाई करने वाले दो मजदूरों की किस्मत रातोंरात बदली और बन गए करोड़पति

नए साल से पहले मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में दो मजदूरों की किस्मत अचानक से बदल गई और दोनों करोड़पति बन गए. यह दोनों मजदूर हीरे की खदान में काम करते हैं. दो महीने पहले खुदाई का काम करने वाले मोतीलाल और रघुवीर प्रजापति ने जिला प्रशासन से लीज पर खदान लिया था. खुदाई के दौरान इन्हें एक बड़ा हीरा मिला. शुक्रवार को इस हीरे की नीलामी हुई जिसके बदले २.५५ करोड़ रुपये मिले. हीरे की नीलामी के दौरान कई करोड़पति कारोबारियों ने बोली लगाई थी. नीलाम हुआ हीरा ४२.९ कैरट का बताया जा रहा है.

इस हीरे को झांसी के राहुल नाम के एक व्यपारी और बीएसपी नेता ने मिलकर खरीदा है. मोतीलाल ने बताया कि उसने यह खदान २०० रुपये की लीज पर छह महीने के लिए ली थी. खुदाई के दौरान मिले हीरे को हमने हीरा खदान अधिकारी कार्यालय में जमा कराया. जिसके बाद इस हीरे की नीलामी कराई गई और फिर यह हीरा २.५५ करोड़ रुपये में नीलाम हुई. अभी नीलामी के दौरान लगाई गई बोली की २० प्रतिशत धनराशि जमा की गई है और शेष राशि हीरा मिलने के एक महीने के अंदर वे जमा करेंगे. नीलामी के बाद मिली राशि पर मोतीलाल ने कहा कि वे इन पैसों से अपने बच्चों को पढ़ाएंगे और अपने माता-पिता की सेवा करेंगे.

कोलकाता बंदरगाह पर मिला दूसरे विश्व युद्ध का विंटेज बम, १००० पाउंड है वजन

कोलकाता: दूसरे विश्व युद्ध का एक विंटेज १००० पाउंड का बम कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के नेताजी सुभाष डॉक पर ड्रेजिंग ऑपरेशन के दौरान मिला। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के एक अधिकारी ने आईएएनस को बताया, विश्व युद्ध-२ का एक विंटेज १००० पाउंड का बम कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के नेताजी सुभाष डॉक पर शुक्रवार को ड्रेजिंग ऑपरेशन के दौरान मिला। यह एक एरियल बम है, जिसका इस्तेमाल संभवत: दूसरे विश्व युद्ध के दौरान किया गया था। बंदरगाह के अधिकारियों ने इस संबंध में पुलिस के समक्ष एक एफआईआर दर्ज कराया। बंदरगाह के अधिकारी ने कहा, 'कोलकाता पुलिस समन्वय कर रही है। भारतीय नौसेना और भारतीय सेना को सूचित कर दिया गया है। डॉक के बर्थ २ पर सीआईएसएफ ने बम की घेराबंदी कर दी है।'नौसेना के पश्चिम बंगाल के प्रभारी अधिकारी कोमोडोर सुप्रोभो के. डे ने बताया, 'यह कई सालों तक पानी में रहा है। यह कहना मुश्किल है कि यहां कैसे आया। हो सकता है कि इसे जहाज में ले जाया जा रहा हो और जहाज से किनारे लाने के दौरान नदी में गिर गया हो। हम नहीं जानते कि असली कारण क्या है।'उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमारी जांच से प्रतीत होता है कि यह एक एरियल बम है और अमेरिका में बना है, क्योंकि इस पर अमेरिकी मार्कि ग है।

शेल्टर होम में लड़कियों को किया जा रहा प्रताड़ित

प्राइवेट पार्ट में डाला मिर्च पाउडर

नई दिल्ली: दिल्ली महिला आयोग (DCW) ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में एक शेल्टर होम की लड़कियों के साथ उसके कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से दुर्व्यवहार किया गया, जिसके बाद पुलिस ने एक शिकायत दर्ज की। महिला आयोग ने कहा, 'गुरुवार को दिल्ली में आश्रय गृहों के निरीक्षण के दौरान, आयोग के सदस्यों ने ६-१५ वर्ष की उम्र की लड़कियों के साथ बातचीत की। इस दौरान उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में पता चल सका।

दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने कहा, 'दिल्ली के द्वारका में एक शेल्टर होम में लड़कियों को प्रताड़ित किया जाता था, उनकी पिटाई की जाती थी और उन लड़कियों में से दो जिनकी उम्र सिर्फ ६-७ साल है उनके निजी अंगों में मिर्च पाउडर डाला गया। FIR दर्ज की गई है। यहां किशोर लड़कियों से भी बर्तन, कपड़े, कमरे और शौचालय साफ करने के लिए मजबूर किया जाता था। २२ लड़कियों और कर्मचारियों के लिए घर में केवल एक रसोइया था, और भोजन की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी। बयान में कहा गया, 'किशोर लड़कियों ने शिकायत की कि उन्हें अपने कमरे साफ नहीं रखने और कर्मचारियों की बात नहीं मानने के लिए पीटा गया। उन्हें गर्मियों और सर्दियों की छुट्टियों के दौरान घर जाने की अनुमति नहीं थी।'समिति के सदस्यों ने DCW प्रमुख स्वाति मालीवाल के साथ आरोपों को साझा किया, जो तुरंत रात ८ बजे घर पहुंचीं।

मालीवाल ने तुरंत द्वारका के पुलिस कमिश्नर को फोन किया, जिन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को घर भेजा और बच्चों के बयान दर्ज किए। दिल्ली पुलिस द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई।

आचार्य बाळशास्त्री जांभेकर
(१८१२-१८४६)

दर्पणकार
आचार्य बाळशास्त्री जांभेकर
यांच्या स्मृतीस
विनम्र अभिवादन...

श्री. नरेंद्र मोदी
मा. प्रधानमंत्री

श्री. देवेंद्र फडणवीस
मा. मुख्यमंत्री

महाराष्ट्र शासन

वारसा अभिव्यक्ती स्वातंत्र्याचा...

पत्रकारांच्या कल्याणासाठी :

विकास पत्रकारितेला चालना देण्यासाठी आचार्य बाळशास्त्री जांभेकर यांच्यासह विविध महापुरुषांच्या नावे दरवर्षी पुरस्कार देऊन पत्रकारांचा सन्मान.

पत्रकारितेत महत्वपूर्ण योगदान देणाऱ्या ज्येष्ठ पत्रकार, संपादकांचा लोकमान्य टिळक जीवनगौरव पुरस्काराने सन्मान

राज्यातील सुमारे तीन हजार पत्रकारांना अधिस्वीकृतीपत्रिका प्रदान

अधिस्वीकृतीधारक पत्रकारांना आजार, अपघात झाल्यास किंवा अकस्मात निधन झाल्यास त्यांच्या कुटुंबियांना मदत करण्यासाठी शंकरराव चव्हाण सुवर्णमहोत्सवी पत्रकार कल्याण निधीची स्थापना. आतापर्यंत १८६ पत्रकार व त्यांच्या कुटुंबियांना सुमारे रु.१ कोटी १६ लाख अर्थसहाय्य.

अधिस्वीकृतीधारक पत्रकारांना राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या बसमध्ये तसेच रेल्वेमध्ये प्रवासासाठी सवलत.

अधिस्वीकृतीपत्रिकाधारक पत्रकारांना शासकीय रुग्णालयांमध्ये मोफत औषधोपचार.

वृत्तपत्रे व नवीन माध्यम यांना उपयुक्त ठरणाऱ्या नवीन शासकीय संदेश प्रसार नियमावलीला मान्यता. सुमारे १७ वर्षानंतर सर्वसमावेशक सुधारित नियमावली आणि सुमारे १० वर्षानंतर जाहिरात दरांमध्ये भरीव वाढ!

दर्पणदिनाच्या हार्दिक शुभेच्छा !

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन

डीजीआयपीआर आरओसी - २०१८-१९ क्र-५/C५५७७

मां के इलाज के लिए नहीं थे पैसे, व्यापारी ने परिवार संग की आत्महत्या

गुजरात: गुजरात के जामनगर में एक परिवार ने आर्थिक तंगी के चलते जहर खाकर सामूहिक आत्महत्या कर ली. फरसाण की दुकान चलाने वाले दीपक साकरिया (४०) उनकी पत्नी आरती (३७), मां जयाबेन (७०), बेटी कुमकुम (१०) और बेटे हेमंत (५) के शव मंगलवार को उनके घर से बरामद किए गए. बताया जा रहा है कि दीपक की मां जयाबेन लम्बे समय से बीमारी थी. पैसे ना होने के कारण वो उनका इलाज नहीं करा पा रहे थे. इससे परेशान होकर परिवार ने यह कदम उठाया है. बताया जा रहा है कि यह घटना तब सामने आई जब व्यापारी के पिता पन्नालाल ने घर वाले नहीं दिखाई देने पर उन्होंने ऊपर की मंजिल पर जाकर देखा. इसके बाद पड़ोसियों

को पता लगने पर उन्होंने १०८ को इस घटना की सूचना दी.

घर खरीदने लिया था लोन...

दीपक अपने माता-पिता, पत्नी और बेटे-बेटी के साथ जामनगर के किसान चौक इलाके में रहते थे. उन्होंने १० साल पहले ही एक मकान खरीदने के लिए लोन लिया था. वो पिछले कुछ माह से लोन नहीं चुका पा रहे थे. कुछ दिन पहले ही बैंक अधिकारी उनके घर आए थे. इसलिए उनका परिवार परेशान था. वो ना तो मां के इलाज के लिए पैसे जुटा पा रहे थे और ना ही बेटे-बेटी की पढ़ाई का खर्च उठा पा रहे थे. दीपक के रिश्तेदार अश्विन रानपरिया ने बताया कि दीपक भाई से तीन दिन पहले ही बातचीत हुई थी तब उन्होंने कहा था कि धंधा दीवाली के बाद से ही सुस्त चल रहा है. उनका खर्चा बढ़ता जा रहा है. इस बारे में जिला पुलिस अधीक्षक शरद सिंघल ने बताया कि प्राथमिक जांच में आर्थिक तंगी के चलते दीपक और उनके परिवार ने यह कदम उठाने की बात समझ आ रही है. फिलहाल जांच की जा रही है.

मोबाइल पर बात कर रही थी नाबालिग बेटी, नाराज पिता ने जिंदा जलाया

मुंबई: मुंबई में एक खौफनाक वारदात सामने आई है, जहां एक शख्स ने अपनी नाबालिग बेटी को जिंदा आग के हवाले कर दिया. जिसकी वजह से वो लड़की बुरी तरह झुलस गई. आरोपी इस बात से खफा था कि उसकी बेटी देर तक मोबाइल फोन पर किसी लड़के से बात कर रही थी. अभी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. मामला मुंबई के विरार इलाके का है. जहां सोमवार की दोपहर गोपचरपाडा में आरोपी पिता ने इस वारदात को अंजाम दिया. दरअसल, नूर मंजिल में मोहम्मद मुर्तजा मंसूरी का घर है. जहां दोपहर के वक्त उसकी १६ वर्षीय बेटी शाहिस्ता किसी से मोबाइल फोन पर बात कर रही थी. मुर्तजा को शक था कि उसकी बेटी किसी लड़के से बात कर

रही है. इस बात से मुर्तजा आपा खो बैठा और उसने अपनी बेटी से मोबाइल छीनकर तोड़ दिया. फिर उससे पूछताछ करने लगा. जवाब ना देने पर उसने बेटी पर केरोसीन का तेल डाल दिया और आग लगा दी. लड़की मदद के लिए चीखने लगी. शोर शराबा सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाकर लड़की को अस्पताल पहुंचाया. डॉक्टरों ने पाया कि लड़की ७० फीसदी झुलस चुकी थी. इसलिए उसे फौरन मुंबई के केईएम अस्पताल में रेफर कर दिया गया. जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है. पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है.

बेरहम पति ने पत्नी को मौत के घाट उतारा, नौकरी करने से था नाराज

हरियाणा: नए साल के पहले दिन हरियाणा के सांपला से एक बुरी खबर आई. मायके में रह रही पत्नी से नाराज पति ने नए साल के जश्न के बहाने उसे मौत की नींद सुला दी. मृतका पिंकी की मां संतरा देवी ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी पिंकी की शादी १५ साल पहले झज्जर के बराही गांव के निवासी सुरेंद्र उर्फ सोनू से हुई थी. पिंकी पिछले तीन साल से मायके में ही रह रही थी और एक निजी अस्पताल में नौकरी कर रही थी. उसके दो बच्चे पिंकी (१३) और मयंक (१०) भी उसके साथ ही रहते थे. पिंकी का मायके रहना और नौकरी करना पति को पसंद नहीं था. मायके में रहने और उसकी नौकरी को लेकर दोनों के बीच कई बार झगड़ा हो चुका था. आरोपी सुरेंद्र का छोटा भाई कालू भी पिंकी को कई बार धमका चुका था. पुलिस के मुताबिक, ३१ दिसंबर की रात आरोपी सोनू ने अपनी सास संतरा देवी के मोबाइल पर कॉल करके कहा कि वह पत्नी के साथ नया साल मनाना चाहता है और उसे डिनर कराना चाहता है, इसलिए उसे अस्पताल से ही लेकर जाएगा. आरोपी अपनी पत्नी को रेस्टोरेंट में ले जाने के बजाय अस्पताल के नजदीक बने एक कमरे में ले गया और उसने बेरहमी से उस पर चाकू से १७ बार वार किए और मौत की नींद सुला दी. पुलिस ने मृतका की मां संतरा देवी के बयान पर आरोपी सुरेंद्र और उसके भाई कालू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है. दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं. हत्या की जांच कर रहे सांपला के एसएचओ कुलबीर सिंह ने कहा कि आरोपी पति सोनू और उसके भाई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है. आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और दोनों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

फ्लैट में चल रही थी नए साल की पार्टी, फोन पर बात करता युवक बॉलकनी से गिरा, हुई मौत

नोएडा: नोएडा की एक सोसाइटी के पांचवें फ्लोर से गिरकर २८ साल के इंजीनियर की मौत हो गई है. बताया जाता है कि यह युवक अपने फ्लैट की बालकनी में मोबाइल फोन पर अपने एक दोस्त से बात कर रहा था, इस दौरान न जाने कैसे वह रेलिंग से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई. घटना के समय युवक के ७ अन्य दोस्त घर में मौजूद थे.

टीओआई के मुताबिक विवेक परमार नामक यह युवक नोएडा के सेक्टर १२० स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में किराए के फ्लैट में रहता था. वह एक निजी कंपनी में काम करता था. खबर के अनुसार, सोसाइटी में नए साल का जश्न चल रहा था और तेज म्यूजिक बज रहा था, जिसकी वजह से उसके गिरने पर तत्काल किसी का ध्यान नहीं गया. बाद में जब इसका पता लोगों को चला, तब तक शरीर से काफी खून निकल चुका था. पुलिस करीब ४० मिनट बाद पहुंची, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी. परमार ने अपने घर पर नए साल की पार्टी आयोजित की थी, जिसमें उसके सात दोस्त आए थे. पुलिस ने उन सभी को हिरासत में ले लिया है. युवकों ने कहा कि वे फ्लैट के हॉल में बैठकर कुछ ड्रिंक ले रहे थे और सोसाइटी में बज रहे तेज म्यूजिक की वजह से वे युवक के गिरने की आवाज सुन नहीं पाए. एक दोस्त बालकनी में गया तो उसे वहां परमार नहीं दिखा और वहां उसका सिर्फ मोबाइल फोन दिखा.

SBI की महिला बैंक मैनेजर ने की आत्महत्या

हरियाणा, हरियाणा के पानीपत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) बपौली की ब्रांच मैनेजर प्रिया रानी ने देर शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बताया जा रहा है कि वह सेक्टर 11 में किराये के घर में रहती थी. तीन साल पहले ही उसकी शादी हुई थी. रात को जब उसका भाई घर लौटा तो उसे बहन की मौत का पता चला. इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है. मिली जानकारी के अनुसार, प्रिया रानी बपौली की एसबीआई शाखा में ब्रांच मैनेजर के पद पर पदस्थ थी. वो मूल रूप से बिहार के आरा जिले के पकड़ी गांव की रहने वाली थी. तीन साल पहले ही 28 वर्षीय प्रिया की ग्रेटर नोएडा में रहने वाले विवेक से शादी हुई थी. उसका पति ग्रेटर नोएडा में ही एक निजी कंपनी में इंजीनियर था. प्रिया का ट्रांसफर अगस्त में ही बपौली की शाखा में हुआ था. यहां आने के बाद वह सेक्टर 11 में माता-पिता और भाई प्रशांत के साथ रहती थी. उसका भाई इंजीनियरिंग कर रहा है. 31 की रात पूरा परिवार बाहर गया था और प्रिया घर पर अकेली थी. जब उसके घर वाले लौटे तो उन्होंने देखा कि उसने आत्महत्या कर ली है. डॉक्टरों के बोर्ड ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है.

हरपल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

क्राईम द मोस्ट वांटेड व क्राईम इंन्वेस्टिगेशन न्यूज देश के सभी जगहों पर हमारी खास न्यूज बतायी जा रही है अगर आपको, मोबाईल और लेपटॉप, पर देखनी हो तो www.harpaltvnews.com टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खाबर भेजना है तो ईमेल करें : Email-harpaltimes.press@gmail.com

कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की ट्रेनिंग दी जा रही है..
संपर्क करें : ७०२१४२५४४२

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल.कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४०००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/१. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४०००४३ से प्रकाशित किया। संपादक: वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374.
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)